

ॐ
ॐ नमो भगवते

३

श्री गुरुभ्यो नमः

1.245

ASHA ARCHIVES

॥ ग. म. ग. ॥

ॐ नमो ग्रीरगव ल्पयार्थे ग म प ह द पा ये ॥ ॥ नवं मया गृह
म कर्मिं स म प र ग वानः जा गृ गृ ह वि ह र ति स्म ॥ गृ ह्नु कृ ट प र्व
त म ह तारि कृ सं ध न सा ह म र्द्ध त्वा द गारि कृ गतेः सर्व ह ले ऽव वाधि ॥ १ ॥
स लैः स ह स लैः ॥ ग न ख ल्प नः स म प र ग वाना मू ष्मा मा न न्द मा
मं शु प स्म ॥ य क शि व न न्दः ॥ मा नि त न प ति ह द पा नि धा य मि ष्यं ति ।

॥ वा व पि ष्य तिः प र्यै वा ष्यं ति ॥ न ह्यं च स र्व का र्यो भि सि ष्ठा नि र वि ष्यः
ति ॥ न य ॥ ॐ नमो मुनः स ह ग म प न य स्वा हा ॥ ॐ गः गः गः गः गः गः
गः गः ॐ गं ग म प न य स्वा हा ॥ ॐ ग म वि प न य स्वा हा ॥ ॐ ग म वि वा प स्वा
हा ॥ ॐ ग म प ति पू जि ता य स्वा हा ॥ ॐ कं २ म २ द २ वि द २ ह न २ गृ ह्नु
धा व २ गृ ह्नु २ स्मृ २ मा ह २ द हि २ दा प य २ ध ना दि सि ष्ठि म प्र प ण्क ॥ ॐ न

४

भासुतमहाबुद्धवचनामस्तु ॥ ॐ अमृतविन्दुरिकुनविन्दुमहासमागच्छ
 तिः महावैद्यवराक्रमः महाहस्तिदक्षिणीप्रमोददापयच्छः ॥ ॐ न
 भासुतमहागम्भपतमस्तु ॥ ॐ गः गः गः गः गः गः गः गः ॥ ॐ गं गम्भ
 पतमस्तु ॥ ॐ गम्भविपतमस्तु ॥ ॐ गम्भवचापःस्तु ॥ ॐ गम्भपति
 पूजितामस्तु ॥ ॐ कुरु २स्तु ॥ ॐ सु २स्तु ॥ ॐ उ २स्तु ॥ ॐ म २

स्वाहा ॥ ॐ नमो नमोः स्वाहा ॥ ॐ नमो मुने महागभयनेयः स्वाहा ॥ ॐ दमा
नंदुगभयनिहृदयं मः कश्चिन्कुलपूजावाकुलदुहितारोति कुक्षीवाः ५ः
पासकीवाः ५ पासिकावायः ॥ कश्चिन्काप्यमालतमनुसाधनं वा
यत्र पूजितावाः यागकुलगमनं वा अरुज्ज्ञानं वा ननवृक्षानां तग
वनः पूजाकुलाश्रम्येगभयनिहृदयं सफवाचान् चोपप्रितव्यं

रिक्ता २

4

॥ ग. म. ग. ॥

तस्य का प्रोभि सिद्धि ना ना न सं स पः सर्व का प्रोभि सक वि क व ह
दिव्य उ व ल वि ग्र ह वि वा द बु नि य स म च मि त व्यं सर्वः प्र स म न ग
कृ नि दि न २ का लः सु क्ता यः स फ वा चान् चो च मि त व्यं ॥ म हा हो रा य ॥ ३ ॥
ः र वि ष्य नि ॥ च ग कू ल ग म म का ल म हा प्र सा दा र वि ष्य नि ॥ गृ नि ध
या र वि ष्य नि ॥ न चा स्य का म म हा वा यि या र वि ष्य नि ॥ न क रि ष्य द व ता

यं क रि ष्य ती ल्प व ता च ल प्य न् ॥ र ग व तां च ल प्य न् ॥ न चा स्य वा यि
वि त्या सा च या प्रा र वि ष्य नि ॥ जा नो जा नो जा नि स्म चा र वि ष्य नि ॥ ॥
द स चो च ह ग वा नो र्नु स ना स्तु व रि कू वा स्तु च वा यि स लो सा च स
चो व ती प रित स द व मा नू षा स्तु च ग श्च र्वे च ला को र ग व ता रा रि व
त स नू न न्द ॥ ॥ नृ नि आ प्रो ग म प नि ह द मा ना म चो च र्म सः

५

॥ गुरु ॥

साफं ॥ ॥ गुरुं ॥ ॥ ॥ अर्धमैः हनुप्रतवा हनुप्रतवा
तथा गत हवद न वाचं आनि वाध प्रवं वादी स हा प्रवक्षः ॥ ॥
प्रदि गुरु अगुरु वा स स दाष न दि प्रत गुरु — ॥ ॥ ॥
॥ ति संस्य ॥ १०५६ ॥ आ गतः कुल वीथि सं गत वाच था ब्रह्म
आतु आन वा हा ल स चा म सुध सैव तु नं वा प्रा श ल गुरु ॥ ॥

॥ ५ ॥

॥ ५ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

आशा आर्चिवे

1.245

ASHA ARCHIVES